आज का दिन
जवाहर लाल नेहरू का निधन
1964 में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का निधन। सबसे लंबे समय प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड है।

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

कुल पृष्ठ 18 (यंग भास्कर, ऐच्छिक ₹ 10.00) राजस्थान मूल्य ₹ 5.00 | वर्ष 5, अंक 238, महानगर

सेंसेक्स	54,252.53	+503.27
डॉलर	77.57	+0.02

तापमान (डिग्री सेल्सियस) आज का अनुमान

	न्यूनतम	अधिकतम	अधिकतम
दिल्ली	24.8	37.5	39.0
मुंबई	28.5	34.4	34.0
जयपुर	27.2	40.7	41.1

dainikbhaskar.com | झुंझुनूं, शुक्रवार, 27 मई, 2022 | ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष-12, 2079 | 12 राज्य | 61 संस्करण

शेखावाटी भास्कर

झुंझुनूं | शुक्रवार, 27 मई, 2022 | झुंझुनूं • नवलगढ़ • मुकुंदगढ़ | मंडावा • बिसाऊ • मलसीसर | dainikbhaskar.com

सीरी की कैंसर उपचार में उपयोगी मैग्नेट्रॉन तकनीक विकसित होगी, केंद्र ने किया MOU

भास्कर न्यूज | पिलानी

सीरी द्वारा विकसित एस बैंड ट्यूनेबल मैग्नेट्रॉन फॉर पार्टिकल एक्सलरेटर्स टेक्नोलॉजी के व्यावसायिक विकास और वाणिज्यीकरण के लिए केंद्र सरकार के टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट बोर्ड ने बैंगलुरू की एक कंपनी से समझौता किया है। इसका मकसद रेडियोथैरेपी मशीनों में स्वदेशी मैग्नेट्रॉन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना है। क्योंकि अभी तक यह विदेशों से ही आयात किया जाता है। यह तकनीक कैंसर उपचार में उपयोगी है। समझौते के अनुसार केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में इस तकनीकी का इस्तेमाल किया जाना है। इस एमओयू के तहत केंद्र सरकार का टेकनोलॉजी विकास

पिलानी मॉडल की प्रस्तुति

बोर्ड मेसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीस को इस टेक्नोलॉजी की मदद से कैंसर के उपचार में उपयोगी रेडियोथैरेपी मशीनों का निर्माण करने के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर डवलप कराने में वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा। विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं परियोजना प्रमुख, मैग्नेट्रॉन डॉ. शिवेंद्र मौर्य, बोर्ड के सचिव राजेश पाठक और मैसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीस के प्रबंध निदेशक जीवी सुब्रह्मण्यम ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी का हस्तांतरण जुलाई 2020 में मैसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीस को किया था। ताकि इससे देश में उपलब्ध रेडियोथैरेपी मशीनों में स्वदेशी मैग्नेट्रॉन का उपयोग किया जा सके। अभी इन मशीनों में आयात किए गए मैग्नेट्रॉन का ही उपयोग होता है। सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने डॉ. शिवेंद्र मौर्य ने इस पर खुशी जताई है।